भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 25 जून, 2025
जारी करने का समय: 1530 घंटे

विषय: अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 25 जून, 2025 को ओडिशा और गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर के शेष भागों, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कुछ और भागों में आगे बढ़ गया है।
- अगले 24 घंटों के दौरान राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम (25 जून, 2025 की 0830 IST तक) (अनुलग्नक II):

- गुजरात क्षेत्र और दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई।
- पूर्वी राजस्थान, उत्तरी हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, अंडमान द्वीप समूह, मध्य महाराष्ट्र, तटीय और उत्तर आंतरिक कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई; पश्चिमी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, विदर्भ, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, झारखंड, पश्चिमी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दक्षिण तटीय महाराष्ट्र (कोंकण), आंतरिक तमिलनाडु, उत्तर और मध्य केरल, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, असम और मणिपुर में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई।
- गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मराठवाड़ा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तमिलनाडु, केरल और कोंकण में अलग-अलग स्थानों पर 40-80 किमी प्रति घंटे की गति के साथ तूफानी/तेज हवाओं के साथ तूफान आया।

विस्तृत मौसम विवरण के लिए अनुलग्नक I देखें।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक II & III देखें):

मौसम प्रणालियां:

- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश पर बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।
- एक द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर से निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश के ऊपर उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण तक जाती है।

- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। इसके प्रभाव में, अगले 24 घंटों के दौरान उसी क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
- इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पश्चिम भारत:

- 25 जून को गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) की संभावना है।
- 25 जून से 01 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और सौराष्ट्र और कच्छ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 25 जून से 01 जुलाई के दौरान पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 25 से 29 जुलाई के दौरान राजस्थान; 25 से 27 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर; 28 जून से 01 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 25-28 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 25 से 27 जुलाई के दौरान उत्तराखंड, 25 को हरियाणा, हिमाचल प्रदेश; 27 को पश्चिमी राजस्थान; 25 और 26 को पंजाब, 25 जून और 01 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 27 जून को जम्मू-कश्मीर और 30 जून और 01 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 25 जून से 01 जुलाई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ-साथ आंधी, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 25 जून को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- 25 जून से 01 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में; 25 से 28 जुलाई के दौरान झारखंड, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल, 27 जून से 01 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; 25, 26 जून और 01 जुलाई को मध्य प्रदेश में; 28 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 28 और 29 को बिहार; 26 जून को झारखंड, ओडिशा बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 25 जून से 01 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदान, बिहार, झारखंड, ओडिशा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंचने वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ तूफान, बिजली चमकने और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 28 जून को अरुणाचल प्रदेश में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- 25-28 जून के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु में; 25 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना, 25 को आंतरिक कर्नाटक में बहुत भारी वर्षा; 25 और 26 जून को तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक और केरल के घाट क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

- 25-29 जून के दौरान कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में तेज़ सतही हवाएँ (40-60 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

❖ 25-29 जून के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने और बिजली गिरने के साथ छिटपुट वर्षा संभावित है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

अरब सागर:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले और दूसरे दिन (25 और 26 जून) दक्षिण गुजरात-कर्नाटक-केरल तटों और लक्षद्वीप क्षेत्र के तटों पर, चौथे और पांचवें दिन (28 और 29 जून) गुजरात तट पर और उसके आसपास न जाएं; पहले, चौथे और पांचवें दिन (25, 28 और 29 जून) को कोंकण तट पर और उसके आसपास, दूसरे दिन (26 जून) को कोंकण तट पर और उसके आसपास; पहले दिन (25 जून) गोवा तट पर और उसके आसपास न जाएं।
- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे सोमालिया तट और उसके आसपास के समुद्री इलाकों, ओमान और उसके आसपास के यमन तट और उसके आसपास के समुद्री इलाकों में; पहले से पांचवें दिन (25-30 जून) तक मध्य और उसके आसपास के उत्तर, दक्षिण अरब सागर में; चौथे और पांचवें दिन (28 और 29 जून) के लिए पूर्वोत्तर अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में न जाएं।

बंगाल की खाड़ी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले, तीसरे और चौथे दिन (25, 27 और 28 जून) को उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट पर न जाएं, पांचवें दिन (29 जून) को उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट पर न जाएं; पहले और दूसरे दिन (25 और 26 जून) को ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर न जाएं; पहले से तीसरे दिन (25 से 28 जून) तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में न जाएं; चौथे और पांचवें दिन (28 और 29 जून) को मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में न जाएं; दूसरे और पांचवें दिन (26 और 29 जून) को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में न जाएं।
- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले और दूसरे दिन (25 और 26 जून) को मन्नार की खाड़ी में न जाएं।
- ऊपर बताए गए क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने का काम पूरी तरह से बंद रखने का सुझाव दिया जाता है।

ii. 25 जून से 28 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- गुजरात क्षेत्र: लूनावाड़ा (जिला महीसागर) 22; नांदोद (जिला नर्मदा) 21; दाहोद (जिला दाहोद) 19; शाहेरा (जिला पंचमहल), जेतपुर पावी (जिला छोटा उदेपुर), दाहोद (जिला दाहोद) 18 प्रत्येक; धरमपुर (जिला वलसाड), राजपीपला (जिला नर्मदा) 17 प्रत्येक; वीरपुर (जिला महीसागर), मोरवा हदफ (जिला पंचमहल), तिलकवाड़ा (जिला नर्मदा) 16 प्रत्येक; गोधरा (जिला पंचमहल), मोडासा (जिला अरावली), सिंगवाड (जिला दाहोद) 14 प्रत्येक; लिमखेड़ा (जिला दाहोद), खेरगाम (जिला नवसारी) 13 प्रत्येक; पारडी (जिला वलसाड), संतरामपुर (जिला महीसागर), गरुड़ेश्वर (जिला नर्मदा) 12 प्रत्येक; जम्बुघोड़ा (जिला पंचमहल), वापी (जिला वलसाड), हलोल (जिला पंचमहल), सांखेडा (जिला छोटा उदेपुर), फतेपुरा (जिला दाहोद), बोडेली (जिला छोटा उदेपुर) 11 प्रत्येक; सागबारा (जिला नर्मदा), व्यारा (जिला तापी), संजेली (जिला दाहोद), कुकरमुंडा (जिला तापी), खानपुर (जिला महीसागर) 10 प्रत्येक;
- पश्चिम मध्य प्रदेश: काठीवाड़ा (जिला अलीराजपुर) 21; झाबुआ- (जिला झाबुआ) 9; कुम्भराज (जिला गुना) 8; सारंगपुर (जिला राजगढ़), ईसागढ़ (जिला अशोकनगर) 7 प्रत्येक;
- पूर्वी राजस्थान: सल्लोपाट (जिला बांसवाड़ा) 19; सागवाड़ा (जिला डूंगरपुर) 14; राजसमंद (जिला राजसमंद) 11; मांडल (जिला भीलवाड़ा) 10; मांगरोल (जिला बारां), आसपुर (जिला डूंगरपुर), सांगोद (जिला कोटा), अटरू (जिला बारां) 9 प्रत्येक; जयपुर (जिला जयपुर), आमेट (जिला राजसमंद) 8 प्रत्येक; बनेड़ा (जिला भीलवाड़ा), जमवारामगढ़ (जिला जयपुर), बागीदौरा (जिला बांसवाड़ा) 7 प्रत्येक;
- उत्तरी हरियाणा: शाहबाद (जिला कुरूक्षेत्र) 17; बाबैन रेव (जिला कुरूक्षेत्र) 11; प्रतापनगर आरईवी (जिला यमुनानगर) 10; बिलासपुर (जिला यमुनानगर) 8; छछरौली (जिला यमुनानगर) 7;
- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: खानापुर (जिला बेलगावी) 17; लोंडा (जिला बेलगावी) 13; कित्तूर (जिला बेलगावी) 10;
- मध्य महाराष्ट्र: राधानगरी (जिला कोल्हापुर), अजरा (जिला कोल्हापुर) 16 प्रत्येक; चांदगढ़ (जिला कोल्हापुर) 12; शाहूवाड़ी (जिला कोल्हापुर), कोकरूड (जिला सांगली) 9 प्रत्येक; अक्कलकुवा (जिला नंदुरबार) 7;
- अंडमान द्वीप समूह: लॉन्ग आइलैंड (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 16;
- हिमाचल प्रदेश: पालमपुर (जिला कांगड़ा) 14; जोगिंदरनगर (जिला मंडी) 11; नाहन (जिला सिरमौर) 9; रेणुका/दाधौ (जिला सिरमौर), बैजनाथ (जिला कांगड़ा) 8 प्रत्येक;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: मंडला (जिला मंडला) 13; विजयराघौगढ़ (जिला कटनी), सिंगोड़ी (जिला कटनी) 12 प्रत्येक; कुसमी (जिला सीधी), चुरहट (जिला सीधी) 10 प्रत्येक; जैतपुर (जिला शहडोल) 9; मोहनगढ़ (जिला टीकमगढ़) 8; बालाघाट- (जिला बालाघाट), निवास (जिला मंडला), मेहदवानी (जिला डिंडौरी), मोहगांव (जिला मंडला), मटियारी (जिला मंडला) 7 प्रत्येक;
- तटीय कर्नाटक: येल्लापुर (जिला उत्तर कन्नड़), कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 13 प्रत्येक;
- उत्तराखंड: हलद्वानी (जिला नैनीताल) 13; लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 7;
- पश्चिम बिहार: इमामगंज (जिला गया) 11; चौसा (जिला-बक्सर) 8;
- जम्मू-कश्मीर: कटरा (जिला रियासी) 11; राजौरी (जिला राजौरी), रियासी (जिला रियासी), रियासी (जिला रियासी) 9 प्रत्येक; उधमपुर (जिला उधमपुर) 7;
- पश्चिमी राजस्थान: देसूरी (जिला पाली) 11;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: पट्टी (जिला प्रतापगढ़) 7,
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: नकुड़ (जिला सहारनपुर) 11,
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: कम्मारडी (जिला चिक्कमगलुरु), हुंचदाकट्टे (जिला शिवमोग्गा) 11 प्रत्येक; श्रृंगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलुरु), अगुम्बे इमो (जिला शिवमोग्गा) 9 प्रत्येक; कलासा (जिला चिक्कमगलुरु), सोमवारपेट (जिला कोडागु) 8 प्रत्येक; नेपोक्लू (जिला कोडागु), कोप्पा (जिला चिक्कमगलुरु) 7 प्रत्येक;
- उत्तरी ओडिशा: राजनगर (जिला केंद्रपाड़ा) 11; औल (जिला केंद्रपाड़ा), चंदुआ कुलियाना (जिला मयूरभंज) 8 प्रत्येक; जोड़ा (जिला क्योंझरगढ़) 7;
- असम: चुलधोवाघाट (जिला लखीमपुर) 10; कामपुर (जिला नागांव) 9; सिलचर (जिला कछार) 8; उदयपुर (जिला तिनसुकिया) 7;
- आंतरिक तमिलनाडु: चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 9; वलपराई (जिला कोयंबटूर) 8; उपासी टी रिसर्च (जिला कोयंबटूर), शोलायार (जिला कोयंबटूर), सिनकोना (जिला कोयंबटूर) 7 प्रत्येक;
- उत्तर और मध्य केरल: विट्टिरी (जिला वायनाड), मुन्नार केसेब (जिला इडुक्की), सेंगुलम बांध (जिला इडुक्की) 9 प्रत्येक; चेम्बरी (जिला कन्नूर) 8; नीलांबुर (जिला मलप्पुरम) 7;
- विदर्भ: कोरची (जिला गढ़चिरौली) 8; मुलचेरा (जिला गढ़चिरौली) 7;
- छत्तीसगढ़: बम्हनीडीह (जिला जांजगीर) 8; जांजगीर (जिला जांजगीर), जनकपुर भरतपुर (जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर) 7 प्रत्येक;
- अरुणाचल प्रदेश: पासीघाट (जिला पूर्वी सियांग), बसर (जिला पश्चिम सियांग), बसर (जिला पश्चिम सियांग) 8 प्रत्येक; तेज़ू (जिला लोहित) 7;
- मणिपुर: छोटाबेकरा (जिला इम्फाल पश्चिम) 7;
- दक्षिण तटीय महाराष्ट्र (कोंकण): डोडामार्ग (जिला सिंधुदुर्ग) 7;

- ❖ झारखंड: जामताड़ा एफएमओ (जिला जामताड़ा), इकार नामकुम (जिला रांची), गोला (जिला रामगढ़) 7 प्रत्येक;
- ❖ उप हिमालयी पश्चिम बंगाल: वाशाबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7.

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 25 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- ❖ **गुजरात क्षेत्र:** (अहमदाबाद) अर्नेज 76;
- ❖ **हिमाचल प्रदेश**: ताबो 56;
- ❖ **मध्य महाराष्ट्र**: विल्होली (नासिक) 56, कलवान (नासिक)54, महाबलेश्वर 54;
- ❖ **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: श्री विजयपुरम 50;
- ❖ **सौराष्ट्र और कच्छ**: (अमरेली)धारी 50;
- ❖ **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: गौतमबुद्धनगर 44;
- ❖ **मराठवाड़ा**: लातूर 48, बीड (अंबेजोगाई) 44;
- ❖ **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: उज्जैन 44;
- ❖ **कोंकण**: सांताक्रूज़ (मुंबई) 43

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	25- Jun	26- Jun	27- Jun	28- Jun	29- Jun	30- Jun	1- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
14	PUNJAB	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	WS	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	WS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

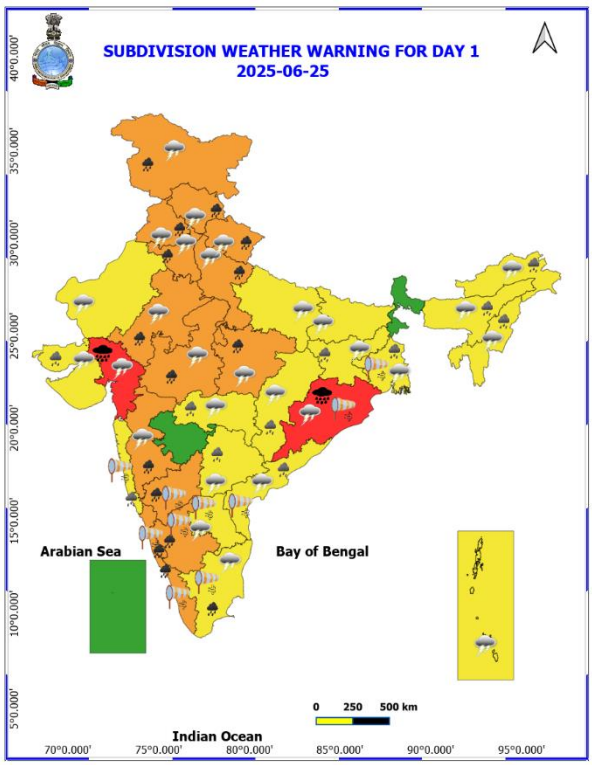
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

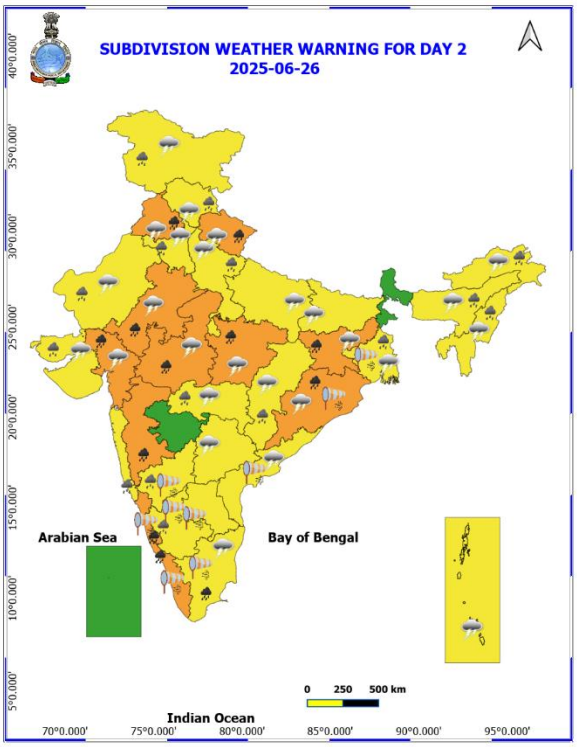
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

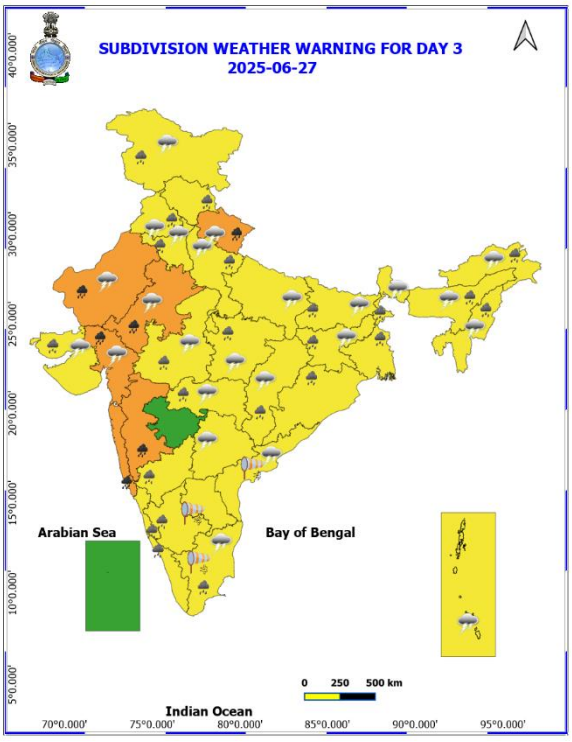
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

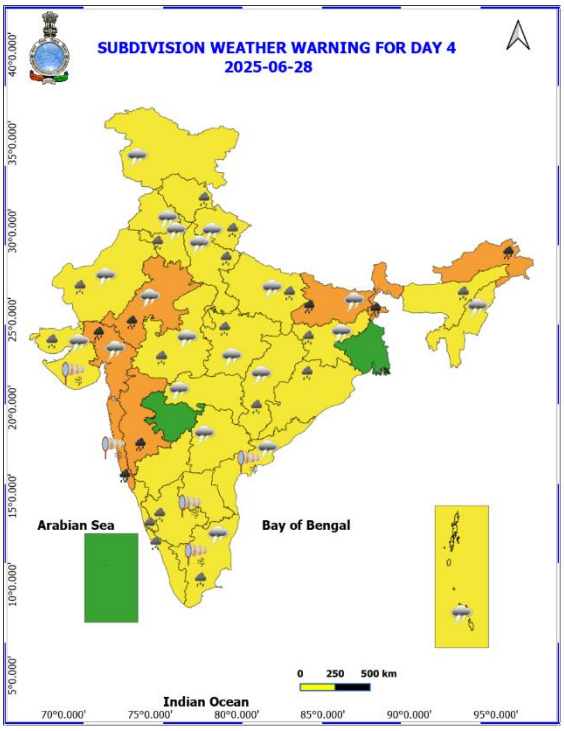

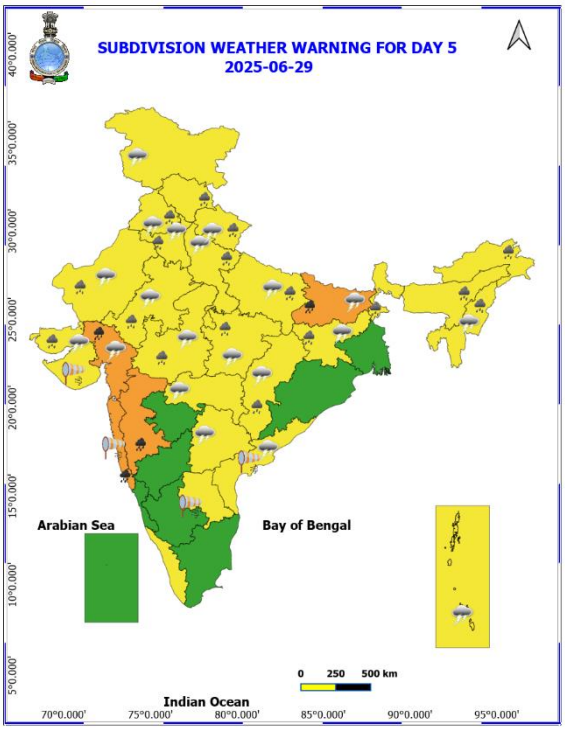

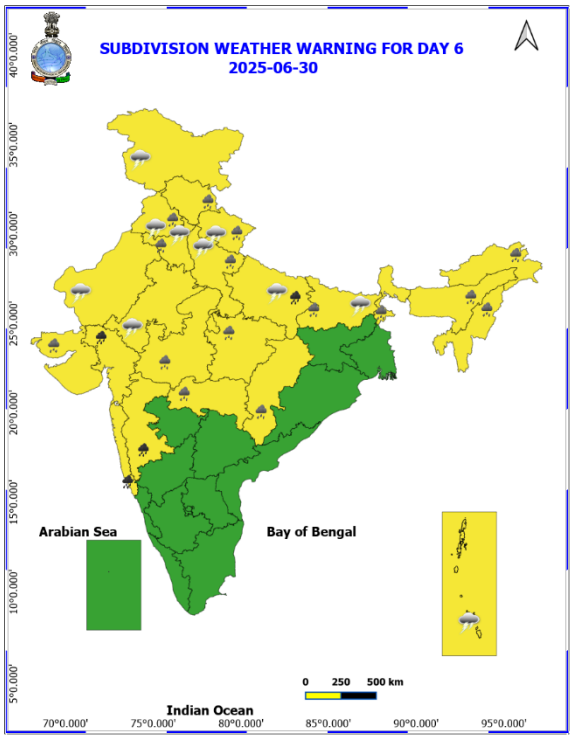

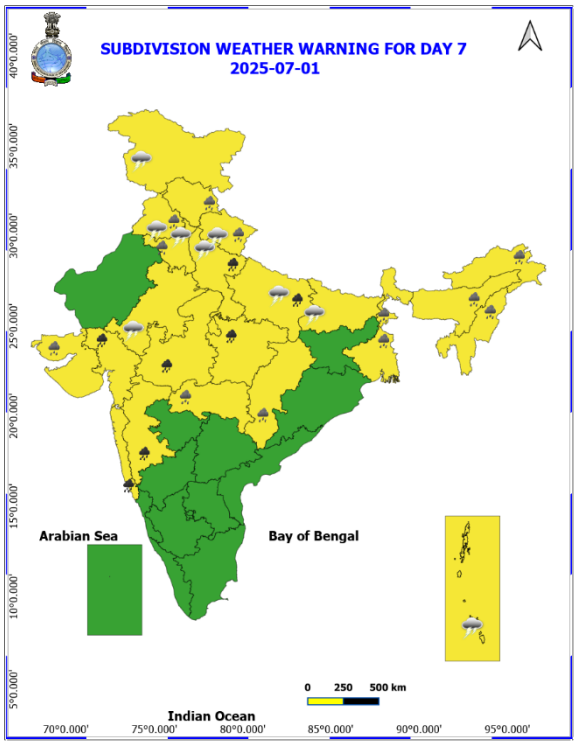

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर के लिए मौसम पूर्वानुमान (25 से 28 जून 2025 तक)

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में लगभग 1°C की वृद्धि और अधिकतम तापमान में लगभग 1°C की गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 25 से 29°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 6°C तक नीचे रहा। बीते 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतही हवा पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटा की गति से चली। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में सामान्य रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति 16 किमी प्रति घंटा से कम रही जो पूर्व दिशा से चली।

मौसम पूर्वानुमान:

25.06.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम वर्षा/गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35°C के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 2-4°C तक कम रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम की गति से चलेगी। शाम और रात में यह गति बढ़कर 20-25 किमी प्रति घंटा हो जाएगी।

26.06.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 26 से 28°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 25 किमी प्रति घंटा से कम की गति से चलेगी। दोपहर में गति घटकर 15-20 किमी प्रति घंटा हो जाएगी और शाम व रात में गति फिर से बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी।

27.06.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज-चमक की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम की गति से चलेगी। दोपहर में यह गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी जो दक्षिण-पूर्व दिशा से होगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पूर्व होगी।

28.06.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज-चमक की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 25 से 27°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम की गति से चलेगी। दोपहर में गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से होगी। शाम और रात में गति घटकर 12 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी।

गर्जन, बिजली व तेज़ हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझाव:

• गर्जन, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटा की तेज़ हवाओं की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें और एहतियाती कदम उठाएं।

• पेड़ों की शाखाएं टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं, सूखी शाखाएं उड़ सकती हैं, खड़ी फसलों को नुकसान पहुंच सकता है, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान हो सकता है, कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है, और खुले में रखी वस्तुएं उड़ सकती हैं।

• लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहें। घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा से बचें।

- सुरक्षित स्थान पर रहें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, सीमेंट के फर्श पर न लेटें और सीमेंट की दीवारों से न लगें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर निकलें, और विद्युत प्रवाहक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 25 जून को गुजरात क्षेत्र और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (**>**20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- ❖ 25 जून से 01 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात क्षेत्र; 25 से 28 के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 25 से 27 के दौरान उत्तराखंड, 25 को हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक; 27 को पश्चिमी राजस्थान; 25 और 26 को पंजाब, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु के घाट क्षेत्र, तटीय कर्नाटक और केरल, 25 जून और 01 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 27 जून को जम्मू-कश्मीर और 30 जून और 01 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश; 26 जून को झारखंड, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **गुजरात में**, धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में**, सब्जी नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें।
- ➢ **पश्चिम मध्य प्रदेश** में मक्का की कटाई को स्थगित करें। बाजरा, सोयाबीन, अरहर और धान की नर्सरी की बुआई को स्थगित करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** के **काइमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र** में, परिपक्व मूंग और उड़द की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। **पश्चिमी मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, परिपक्व मक्का की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। सोयाबीन की बुवाई और मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की रोपाई को स्थगित करें तथा पहले से बोए गए / रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

- **पूर्वी राजस्थान** में भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई करें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड** में धान की नर्सरी, अरहर, मूंगफली, मक्का, सोयाबीन, बाजरा और रागी की फसलों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में, परिपक्व वसंत मक्का की फसल और सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) की कटाई मौसम साफ होने पर ही करें और सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- **हिमाचल प्रदेश** के **उप-पर्वतीय और निम्न पहाड़ी उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का और सब्जियों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। लताओं और लंबी सब्जी फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। **हिमाचल प्रदेश** के **मध्य पहाड़ी उप-आर्द्र क्षेत्र** में, भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। मक्का, सेब, नाशपाती, अनार, कीवी, खीरा और टमाटर के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। खीरे की लताओं और टमाटर के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें।
- **पंजाब** में पहले से बोई गई कपास, चावल, सब्जियों और फलों की फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **हरियाणा** में कपास और बाजरा के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **जम्मू और कश्मीर** के **मध्यवर्ती क्षेत्र में**, मक्का की बुवाई स्थगित करें। मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में, मक्का के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में**, धान की नर्सरी तथा जूट और अदरक के खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **झारखंड में,** पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **ओडिशा में,** पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **कोंकण और गोवा** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों में,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, सब्जियों और बगीचों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **तटीय कर्नाटक में**, जलजमाव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, केले, नारियल और सुपारी के बागानों में जल निकासी की उचित सुविधा सुनिश्चित करें। **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में,** धान की नई पौध को भारी बारिश से बचाने हेतु प्लास्टिक शीट या एग्रो-शेड नेट से ढक दें। जलजमाव को रोकने के लिए चावल की नर्सरी, कॉफी, इलायची, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें। **उत्तर आंतरिक कर्नाटक में**, जलभराव को रोकने के लिए अंकुरण अवस्था में मौजूद फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **केरल में**, धान की नर्सरी, रोपित धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **असम में**, तिल, फॉक्सटेल बाजरा (कांगनी), बोरो धान, केला और सिट्रस फलों की कटी/ तोड़ी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। जलभराव को रोकने के लिए साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **असम** के **बराक घाटी क्षेत्र** में, साली धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियों या जाली का सहारा प्रदान करें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न गिरें। केले के पौधे को गिरने से बचाने हेतु सहारा दें।
- **अरुणाचल प्रदेश में,** सोयाबीन और मिर्च तथा भिंडी जैसी सब्जियों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी, कीवी और सेब के बागानों में जलभराव से बचाव के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **नागालैंड** में, TRC/WRC धान की रोपाई से बचें। सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। बेलवर्गीय पौधों को उचित सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

26-06-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का जोखिम होने की संभावना है।

असम और मेघालय - पश्चिमी खासी हिल्स, पूर्वी खासी हिल्स, करीमगंज, एन सी हिल्स, जंतिया हिल्स, आरआई भोई, नागांव, कार्बी एनालॉग, नलबाड़ी, चिरांग, कामरूप ग्रामीण, कछार जिले।

नागालैंड मिजोरम मणिपुर त्रिपुरा (एनएमएमटी) -
नागालैंड- पेरेन, दीमापुर, किफिर, कोहिमा, मोन, पेरेन, फेक, मोकोचुंग, तुएनसांग और जुन्हेबोटो जिले।
मणिपुर- बिष्णुपुर, चंदेल, चुराचांदपुर, इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, सेनापति, तामेंगलोंग, उखरुल,
मिजोरम- आइजोल, चंफाई, लुंगलेई, लांगतलाई, कोलासिब, सैहा, सेरछिप,

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।

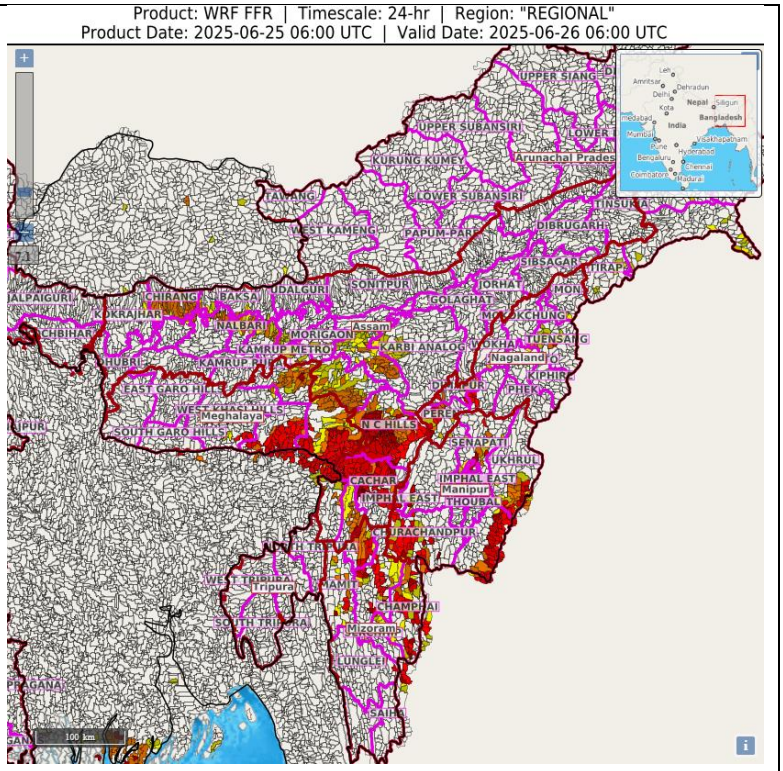

26-06-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है।

जम्मू और कश्मीर - उधमपुर, पंच, डोडा, रामबन, राजौरी, कुपवाड़ा, जम्मू जिले

हिमाचल प्रदेश - चंबा, मंडी, कांगड़ा, शिमला और सिरमौर जिले उत्तराखंड - बागेश्वर, चमोली, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़ और टिहरी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

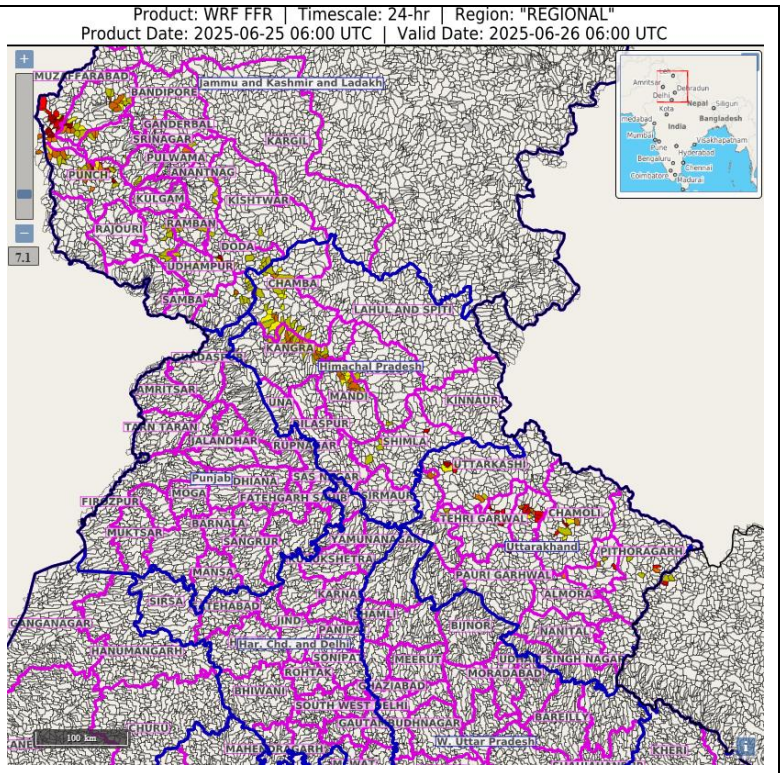

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

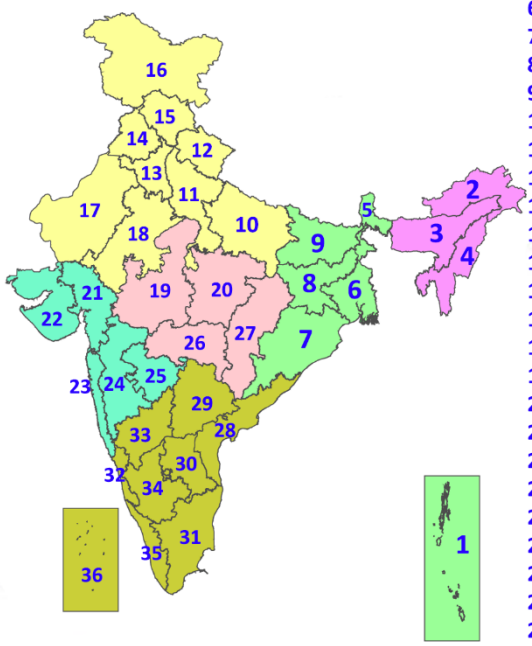

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)